



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 397]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 7, 1995/आसाधा 16, 1917

No. 397]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 7, 1995/ASADHA 16, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1995

का.आ. 616(अ)—केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 30 की उपधारा (3) और उपधारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, चाय (वितरण तथा निर्यात) नियंत्रण आदेश, 1957 में और आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्:—

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम चाय (वितरण तथा निर्यात) नियंत्रण (संशोधन) आदेश, 1995 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. चाय (वितरण तथा निर्यात) नियंत्रण आदेश, 1957 में,—

(क) खंड 6 के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जायेगा, अर्थात्:—

“6(1) अनुज्ञप्ति की विधिमाम्यता की अवधि—प्रत्येक अनुज्ञप्ति, जब तक कि उसे पहले ही रद्द या निलंबित न कर दिया गया हो, उसके जारी करने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए विधिमाम्य होगी।

(2) प्रत्येक ऐसा अनुज्ञप्तिधारी, जो निर्यातकर्ता है और अपनी अनुज्ञप्ति को स्थायी अनुज्ञप्ति में संपरिवर्तित करने का इच्छुक है, अनुज्ञप्ति की अवधि की समाप्ति के तीन मास पूर्व, प्रारूप-गक में अनुज्ञापन प्राधिकारी को दो प्रतियों में आवेदन करेगा।

(3) अनुज्ञापन प्राधिकारी, उपखण्ड (2) के अधीन उसे किये गये आवेदन के प्राप्त होने पर, इस आवेदन के अधीन जारी की गई या नवीकृत की गई अनुज्ञप्ति की स्थाई अनुज्ञप्ति में संपरिवर्तित करेगा, यदि—

(क) अनुज्ञप्तिधारी निर्यातकर्ता है, और

(ख) ऐसे अनुज्ञप्तिधारी ने अधिनियम के या अधिनियम के बनाये गये चाय नियम, 1954 या चाय बोर्ड, उपविधि, 1955 के किन्हीं उपबंधों का अतिक्रमण नहीं किया है।

(4) प्रत्येक ऐसे अनुज्ञप्तिधारी से, जो निर्यातकर्ता है और जिसकी अनुज्ञप्ति उप खंड (2) के अधीन स्थाई अनुज्ञप्ति में संपरिवर्तित कर दी गई है, खंड 7 के अधीन अपनी अनुज्ञप्ति का नवीकरण करने की अपेक्षा नहीं की जायेगी।

(5) प्रत्येक स्थाई अनुज्ञप्ति प्रारूप-गक में अनुदत्त की जायेगी।

(6) यदि कोई ऐसा अनुज्ञप्तिधारी जो निर्यातकर्ता है और जिसकी अनुज्ञप्ति उपखण्ड (2) के अधीन स्थाई अनुज्ञप्ति में संपरिवर्तित की गई है, अधिनियम के या अधिनियम के अधीन बनाये गये चाय नियम, 1954 या चाय बोर्ड उप-विधि, 1955 के उपबन्धों में से किसी का अतिक्रमण करता है, तो अनुज्ञापन प्राधिकारी, स्थाई अनुज्ञप्ति के ऐसे धारक को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् खंड 12 में उल्लिखित आधारों में से किसी पर उसकी स्थाई अनुज्ञप्ति को रद्द या निलंबित कर सकेगा।”;

(ख) प्ररूप ग के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

प्ररूप गक

[नियम 6(2) देखिए]

चाय (वितरण तथा निर्यात) नियंत्रण आदेश, 1957 के खंड 6(2) के अधीन किसी अनुज्ञप्ति को स्थाई अनुज्ञप्ति में संपरिवर्तन के लिये आवेदन।

(अनुज्ञापन प्राधिकारी को दो प्रतियों में भेजा जाये) सेवा में,

अनुज्ञापन प्राधिकारी,
चाय बोर्ड,
14, बी.टी. एम. सरणी,
(ब्रबोर्न रोड),
कलकत्ता-1

महोदय,

मैं/हम—आपके द्वारा जारी की गई निर्यातकर्ता की अनुज्ञप्ति सं. तारीख—की स्थाई अनुज्ञप्ति में संपरिवर्तन के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं जो इसके साथ लोटाई जा रही है।

मैं/हम आवश्यक विशिष्टियां नीचे देता हूँ/दिते हैं:

1. आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) (भागीदारी समुत्थान की दशा सभी भागीदारों के नाम दिये जाने चाहिये) —

.....

2. पूरा पता (जिस पर पत्राचार किया जाये)———

.....

3. अपेक्षित अनुज्ञप्ति का प्रकार———

4. ऐसे विभिन्न परिसरों का, यदि कोई हो, पूरा पता जिनमें आवेदक कारोबार करना चाहता है या जहां समिश्रण और/या पैकिंग की जायेगी———

5. सांपत्तिक चिन्ह———

मैंने/हमने चाय (वितरण तथा निर्यात) नियंत्रण आदेश, 1957 को सावधानीपूर्वक पढ़ा और समझा है तथा

मैं/हम उक्त आदेश के उपबन्धों का पालन करने के लिये सहमत हूँ/हैं।

भवदीय,

आवेदक (आवेदकों) के हस्ताक्षर

स्थान———

तारीख———

(जो शब्द लागू न हो, उसे काट दें) ;

चाय बोर्ड

14, बी.टी.एम. सरणी

(ब्रबोर्न रोड)

कलकत्ता-1

प्ररूप—गख

[खण्ड 6(4) देखिए]

प्रमाणित किया जाता है कि चाय (वितरण तथा निर्यात) नियंत्रण आदेश 1957 के निबंधन के अनुसार निर्यातकर्ता के रूप में विनिर्मित चाय में कारबार करने के लिये—को तारीख—के लिये अनुदत्त अनुज्ञप्ति सं.—को स्थाई आधार पर नवीकृत किया जाता है, जब तक कि उसे चाय (वितरण तथा निर्यात) नियंत्रण आदेश, 1957 के उपबन्धों के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा रद्द या निलंबित नहीं कर दिया जाता।

अनुज्ञापन प्राधिकारी

तारीख———

स्थायी अनुज्ञप्ति संख्यांक———

[सं.टी.-35034/1/92-प्लॉट(ए)]

आर. चन्द्रशेखर, संयुक्त सचिव

टिप्पण:—मूल आदेश अधिसूचना सं. का. नि.आ.

3808, तारीख 30-11-57 द्वारा प्रकाशित

किया गया था और तत्पश्चात् उसमें निम्न-

लिखित द्वारा संशोधन किया गया:—

1. दिनांक 22-2-1958 की एस आर ओ सं. 79
2. दिनांक 12-3-1959 का एस आर सं. 343
3. दिनांक 19-9-63 का जी एस आर सं. 1528-8(9)
प्लॉट (ए)/63
4. दिनांक 4-5-1967 का जी एस आर सं. 667
5. दिनांक 28-2-1970 का जी एस आर सं. 429
6. दिनांक 2-5-1978 का जी एस आर सं. 636
7. दिनांक 9-4-1979 का जी एस आर सं. 626
8. दिनांक 3-11-1979 का जी एस आर सं. 1317
9. दिनांक 24-2-1983 का का.आ. सं. 141(ई)
10. दिनांक 21-12-1993 का का.आ. सं. 998(ई)

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th July, 1995

S.O. 616(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (5) of section 30 of the Tea Act 1953 (29 of 1953), Central Government hereby makes the following order further to amend the Tea (Distribution and Export) Control Order, 1957, namely :—

1. (1) This order may be called the Tea (Distribution and Export) Control (Amendment) Order, 1995.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Tea (Distribution and Export) Control Order, 1957,—(a) for clause 6, the following clause shall be substituted, namely :—

“6(1) Period of validity of licence.—Every licence shall, unless previously cancelled or suspended, be valid for a period of three years from the date of its issue.

(2) Every licensee being an exporter desiring to convert his licence into a permanent licence shall make an application in duplicate to the licensing authority in Form CA before three months of the expiry of the period of licence.

(3) The licensing authority shall, on receipt of application made to it under sub-clause (2), convert a licence issued or renewed under this order into a permanent licence if,—

(a) the licensee is an exporter; and

(b) such licensee has not violated any provisions of the Act or Tea Rules, 1954 or Tea Board Bye-Laws, 1955 made under the Act.

(4) Every licensee being an exporter, whose licence has been converted into a permanent licence under sub-clause (2), shall not be required to renew his licence under clause 7.

(5) Every permanent licence shall be granted in Form CB.

(6) If a licensee being an exporter, whose licence has been converted into a permanent licence under sub-clause (2) violates any of the provisions of the Act or Tea Rules, 1954 or Tea Board Bye-Laws, 1958 made under the Act, the licensing authority may, after giving such holder of a permanent licence an opportunity of being heard, cancel or suspend his permanent licence on any of the grounds mentioned in clause 12.”;

(b) after Form C, the following Forms shall be inserted, namely :—

“FORM CA

[See clause 6(2)]

Application under clause 6(2) of the Tea (Distribution and Export) Control Order 1957, for conversion of a licence into a permanent licence.

(To be sent to Licensing Authority in duplicate)

To,

The Licensing Authority,

Tea Board,

14, B.T.M. Sarani,

(Brabourne Road)

Calcutta-1.

Sir,

I|We* apply for the conversion of Exporter's Licence No. _____ dated _____ issued by you into permanent licence which is returned herewith.

I|We* furnish the necessary particulars below.—

1. Name of applicant (in block letters) (in case of partnership concern the names of all the partners should be given)_____

2. Full Address (to which correspondence should be sent)_____

3. Nature of licence required_____

4. Full address of the various premises, if any in which the applicant intends to do business, or where blending and/or packing will be done_____

5. Proprietary Marks_____

I|We* have carefully read and understood the Tea (Distribution and Export) Control Order, 1957 and hereby agree to abide by the provisions of the said Order.

Yours faithfully,

Signature(s) of the applicant(s)

Place_____

Date_____

(*Score out the word not applicable);

TEA BOARD

14, B.T.M. Sarani

(Brabourne Road)

Calcutta-1

FORM CB

[See clause 6(4)]

Certified that the Licence No. _____ granted on the _____ to _____ to carry on the business in manufactured tea as exporter

in term of the Tea (Distribution and Export) Control Order, 1957 is hereby renewed on permanent basis unless cancelled or suspended by the Licensing Authority under the provisions of the Tea (Distribution and Export) Control Order, 1957.

Licensing Authority

Date_____

Permanent Licence Number_____".

[No. T-35034|1|92-Plant(A)]

R. CHANDRASEKHAR, Jt. Secy.

Note.—The Principal Order was published vide notification No. SRO 3808 dated 30-11-57

and subsequently amended by the following vide :—

1. SRO No. 79 dated 22-2-58
2. GSR No. 343 dated 12-3-59
3. GSR No. 1528-8(9)|Plant(A)|63 dated 19-9-63
4. GSR No. 667 dated 4-5-67
5. GSR No. 429 dated 28-2-70
6. GSR No. 636 dated 2-5-78
7. GSR No. 628 dated 9-4-79
8. GSR No. 1317 dated 3-11-79
9. SO No. 141(E) dated 24-2-83
10. S.O. No. 998(E) dated 21-12-93.